nwda.gov.in

यमुना को बचाने के लिए पूर्व सैनिकों ने उठाया कदम

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : राजधानी में लगभग 22 किलोमीटर क्षेत्र में बहने वाली यमुना नदी की स्थिति दयनीय हो गई है। पूर्व सैनिकों ने इसे बचाने के लिए 'नमामि गंगे' की तरह राष्ट्रीय यमुना पुनर्जीवन मिशन शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि किसी जलस्रोत के पानी में घुलनशील आक्सीजन (डीओ) चार पाट्र्स पर मिलियन (पीपीएम) से कम हो जाता है, तो उसे तकनीकी रूप से मृत मान लिया जाता है, लेकिन दिल्ली में यमुना के पानी में यह एक पीपीएम से भी कम रह गया है।

मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पूर्व सैनिकों की गैर सरकारी संस्था 'अतुल्य गंगा' के मुख्य सलाहकार सेवानिवृत्त मेजर जनरल विनोद भट्ट ने कहा कि नौ से 16 मार्च के दौरान यमुनानगर से प्रयागराज तक 29 स्थानों से यमुना नदी के पानी के नमूने लिए गए।

आइआइटी रोपड़ के सहयोग से अलग-अलग 16 मानकों पर इनकी जांच की गई। 17 स्थानों पर पानी बहुत ज्यादा प्रदूषित मिला। यमुनानगर, शामली और प्रयागराज को छोड़कर अन्य सभी स्थानों पर पानी में हानिकारक बैक्टीरिया मिले हैं। दिल्ली में यमुना का वाटर क्वालिटी इंडेक्स (डब्ल्यूक्यूआइ) अत्यधिक प्रदूषित श्रेणी में है। पानी की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए इसके पीएच, मैलापन, कठोरता,

22 किमी क्षेत्र में बहने वाली यमुना की स्थिति दयनीय

29 स्थानों से लिए गए थे यमुना नदी के पानी के नमूने

- मोबाइल एप पर मिलेगी नदी के पानी की गुणवत्ता की जानकारी
- दिल्ली में यमुना का डब्ल्यूक्यूआइ है अत्यधिक प्रदूषित श्रेणी में

क्लोराइड, फ्लोराइड, घुलनशील आक्सीजन और टीडीएस इन सात मानकों के आधार डब्ल्यूक्यूआइ तैयार किया जाता है।

इसे चार श्रेणी में विभाजित किया गया है। अत्यधिक प्रदूषित (डब्ल्यूक्यूआइ 20 से कम), खराब गुणवत्ता (डब्ल्यूक्यूआइ 50 से कम और 20 तक), उचित गुणवत्ता (डब्ल्यूक्यूआइ 80 से कम और 50 तक), अच्छी गुणवत्ता (डब्ल्यूक्यूआइ 100 से कम और 80 तक), उत्कृष्ट गुणवत्ता (डब्ल्यूक्यूआइ 100)।

उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करने के लिए वायु प्रदूषण की तरह नदियों के पानी की गुणवत्ता की जानकारी भी आमजन को मिलनी चाहिए। रखकर यमुना के पानी की गुणवत्ता की जानकारी देने के लिए अतुल्य गंगा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित यमुना हेल्थ डैशबोर्ड बना रहा है। यह मोबाइल एप पर उपलब्ध होगा। इसमें यमुना के 29 स्थानों पर पानी की गुणवत्ता की जानकारी मिलेगी।

संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकारी स्तर पर भी नदियों के पानी की गुणवत्ता बताने के लिए सरकार को भी ऐसी पहल करनी चाहिए। इस अवसर पर संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल आलोक कलेर, मनोज केशवर मौजूद थे।